ना हो साथ कोई अकेले बढ़ो तुम,
सफलता तुम्हारे चरण चूम लेगी।।

सदा जो जगाए बिना ही जगा है,
अँधेरा उसे देखकर ही भगा है,
वही बीज पनपा पनपना जिसे था,
घुना क्या किसी के उगाए उगा है,
अगर उग सको तो उगो सूर्य से तुम,
प्रखरता तुम्हारे चरण चूम लेगी।।

सही राह को छोड़कर जो मुड़े है,
वही देखकर दूसरों को कुढ़े है,
बिना पंख तौले उड़े जो गगन में,
न सम्बन्ध उनके गगन से जुड़े है,
अगर उड़ सको तो पखेरु बनो तुम,
प्रवरता तुम्हारे चरण चूम लेगी।।

ना जो बर्फ की आँधियों से लड़े है,
कभी पग न उनके शिखर पर पड़े है,
जिन्हें लक्ष्य से कम अधिक प्यार खुद से,
वही जी चुराकर विमुख हो खड़े है,
अगर जी सको तो जियो जूझकर तुम,
अमरता तुम्हारे चरण चूम लेगी।।

ना हो साथ कोई अकेले बढ़ो तुम,
सफलता तुम्हारे चरण चूम लेगी।।

प्रेषक अंतर राणा।
9868572816

Source: https://www.bharattemples.com/na-ho-saath-koi-akele-bado-tum/

Bharat Temples

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw